वित्तीय अधिकार के केंद्रीकरण से जूझ रहे जिले के कॉलेज

70 किलोमीटर दूर बैढ़न के चक्कर लगाने को मजबूर प्रभारी प्राचार्य, छोटे कार्यों के लिए भी एक्सीलेंस कॉलेज पर निर्भर पूरा शिक्षा तंत्र

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 30 मार्च। जिले के शासकीय महाविद्यालयों में वित्तीय अधिकारों के केंद्रीकरण ने शिक्षा व्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। शासकीय मॉडल महाविद्यालय रम्पा, रजमिलान, चितरंगी, सरई, बरगवां, माड़ा, शासकीय कन्या महाविद्यालय बैढ़न, शासकीय कन्या महाविद्यालय सिंगरौली, शासकीय अग्रणी महाविद्यालय बैढ़न, शासकीय महाविद्यालय देवसर एवं शासकीय महाविद्यालय बरका जैसे संस्थानों के प्रभारी प्राचार्यों के पास वित्तीय पावर नहीं है। ऐसे में उन्हें हर छोटे-बड़े खर्च के लिए उत्कृष्ट प्रधानमंत्री कॉलेज बैढ़न के प्राचार्य डॉ. एमयू सिद्धिक्की के पास मंजूरी के लिए चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

आरोप है कि आयुक्त उच्च शिक्षा भोपाल की लापरवाही के चलते वर्षों से यह व्यवस्था जस की तस बनी हुई है। स्थिति यह है कि चितरंगी, बरका और सरई से बैढ़न की दूरी लगभग 70 किलोमीटर है, जबकि माड़ा, देवसर और रजमिलान से यह दूरी 35 से 40 किलोमीटर के बीच है। ऐसे में किसी भी जरूरी कार्य, दस्तावेजों की खरीद, उत्तर पुस्तिकाओं की व्यवस्था या अन्य प्रशासनिक जरूरतों के लिए प्रभारी प्राचार्यों को लंबी दूरी तय कर बैढ़न पहुंचना पड़ता है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब वित्तीय अधिकार उत्कृष्ट प्रधानमंत्री कॉलेज बैढ़न के प्राचार्य डॉ. एमयू सिद्धिक्की के पास हैं, तो छात्रवृत्ति घोटालों की जवाबदेही से उन्हें बाहर क्यों रखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज है कि कहीं न कहीं उच्च शिक्षा विभाग भोपाल और संयुक्त संचालक कार्यालय रीवा की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही वित्तीय अधिकार संबंधित महाविद्यालयों के प्रभारी प्राचार्यों को नहीं दिए गए, तो जिले की उच्च शिक्षा व्यवस्था और अधिक चरमरा सकती है। फिलहाल हालात यह हैं कि महाविद्यालयों का प्रशासनिक कामकाज और पठन-पाठन व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है।

प्राचार्यों के कक्ष में नहीं लगी है एसी

आलम यह है कि शासकीय महाविद्यालय रजमिलान, चितरंगी समेत कई महाविद्यालयों में एसी नही लगी है। जबकि अधिकांश शासकीय महाविद्यालय के भवन हाल ही के कुछ वर्षो में निर्माण हुआ था। सवाल उठ रहा है कि क्या निर्माण कार्य के दौरान भवनों के प्राकलन में शामिल नही था। हालांकि कुछ प्रभारी प्राचार्य बताते हैं कि प्रचार्य समेत तीन कक्षों में एसी लगाने का प्रावधान है। एसी के कवर भी आये थे, लेकिन एसी नही दिखी। इस गर्मी में पंखे के सहारे ही महाविद्यालय का कामकाज करना पड़ेगा।

प्रभारी प्राचार्यों पर ठीकरा, असली जिम्मेदारी पर चुप्पी

अब सेमेस्टर परीक्षाएं सिर पर हैं। परीक्षा सामग्री, उत्तर पुस्तिकाएं, स्टेशनरी और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के लिए राशि की जरूरत होगी। लेकिन वित्तीय अधिकार न होने से सभी महाविद्यालयों को फिर बैढ़न स्थित उत्कृष्ट प्रधानमंत्री कॉलेज के प्राचार्य पर निर्भर रहना पड़ेगा। इससे समय पर व्यवस्थाएं प्रभावित होने की आशंका है, जिसका सीधा असर पठन-पाठन और परीक्षा संचालन पर पड़ सकता है। मामला यहीं तक सीमित नहीं है। पिछले वर्ष शासकीय महाविद्यालय सरई और शासकीय जगन्नाथ सिंह स्मृति महाविद्यालय चितरंगी में छात्रवृत्ति वितरण में कथित घोटाले सामने आए थे। आरोप है कि डीडीए पावर बैढ़न के उत्कृष्ट प्रधानमंत्री कॉलेज बैढ़न प्राचार्य के पास होने के बावजूद कार्रवाई केवल स्थानीय प्रभारी प्राचार्यों तक सीमित कर दी गई। चितरंगी में छात्रवृत्ति घोटाले की राशि की अब तक रिकवरी नहीं हो सकी है, जबकि सरई में भी अनियमितताओं के आरोप लगे।

धू-धूकर जल रहा पराई का जंगल, वन अमला अनजान

करथुआ रेंज का मामला, जंगल में हैं सागौन के पेड़

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 30 मार्च। वन परिक्षेत्र करथुआ रेंज के समीपी पराई हनुमान मंदिर के सामने सागौन के जंगल में भीषण आग लगी हुई है। आलम यह है कि आग करीब आधा किलोमीटर दूरी तक फैल गई है। यह आग संभवतः दोपहर के बाद लगी हुई है, जो धीरे-धीरे बेकाबू हो रही है।

दरअसल जानकारी के मुताबिक वन परिक्षेत्र करथुवा के चितरंगी मार्ग पराई हनुमान मंदिर के सामने सागौन के जंगल में भीषण आग लगी हुई है। बताया जा रहा है कि आग दोपहर के बाद लगी है और यह धीरे-धीरे बेकाबू होकर करीब आधा किलोमीटर की दूरी तक फैल चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है, लेकिन इस मामले में वन अमला भी बेखबर है। जिससे जंगल के समीप बसे रहवासी भयभीत नजर आ रहे हैं।

एक नजर में

नपानि सिंगरौली परिषद की बैठक कल

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली के वार्ड आगामी बजट 2026-27 को लेकर परिषद की बैठक 1 अप्रैल को दिन 11 बजे से आरंभ की जाएगी। परिषद की बैठक की अध्यक्षता ननि अध्यक्ष देवेश पाण्डेय करेंगे। इधर बताया जा रहा है कि परिषद की बैठक हंगामेदार हो सकती है। बैठक में कई ज्वलंत मुद्दों को लेकर कांग्रेस एवं आप तथा बसपा के पार्षद हंगामा कर सकते हैं।

एनसीएल कर्मी की पत्नी फांसी के फंदे पर झूली

सिंगरौली। जयंत पुलिस चौकी के एनसीएल कॉलोनी सेक्टर नम्बर-2 जयंत के एक एनसीएल कर्मी की पत्नी बीती शाम अज्ञात कारणों से कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतिका का पति परियोजना में ड्यूटी करने गया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हितराज मीणा एनसीएल कर्मी बीते दिन रविवार की शाम एनसीएल परियोजना जयंत में ड्यूटी करने गया था। एनसीएल कर्मी जयंत सेक्टर नम्बर 2, एम 223 में निवास रत है। करीब 6:30 बजे उसकी पत्नी मीनाक्षी मीणा उम्र 26 वर्ष अज्ञात कारणों से फांसी के फंदे पर झूल गई। यह घटना उसी के कमरे की है। घटना की सूचना पर पुलिस मर्ग कायम करते हुये मामले की जांच कर रही है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेसियों ने दिया धरना

सिंगरौली। महंगाई के खिलाफ कांग्रेसियों ने आज दिन सोमवार को बैढ़न के ताली स्थित एमपीईबी दफ्तर के सामने बिजली समेत अन्य समस्याओं को लेकर धरना दिया। इस दौरान कांग्रेसियों ने केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ हल्ला बोलते हुये कलेक्ट्रोरेट पहुंच राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा।

वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को हासिल कर रचा इतिहास

लक्ष्य से अधिक उत्पादन करने की वर्षों की परंपरा को रखा जारी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 30 मार्च। देश की ऊर्जा संरक्षा को समर्पित कोल इंडिया लिमिटेड की सिंगरौली स्थित मिनीरत्न कंपनी एनसीएल ने आज दिन सोमवार को प्रथम पाली तक 140 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर एक दिन शेष रहते वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को हासिल कर इतिहास रच दिया।

कोयला है तो भरोसा है की परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए 140 मिलियन टन का यह ऐतिहासिक उत्पादन राष्ट्र की प्रगति के प्रति टीम एनसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मौजूदा ऊर्जा परिदृश्य में, घरेलू स्तर पर उत्पादित कोयला एक बार फिर भारत के बिजली क्षेत्र की एक भरोसेमंद रीढ़ साबित हो रहा है। इस संदर्भ में एनसीएल के लगातार और बढ़े हुए उत्पादन ने तापीय बिजली संयंत्रों को कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। अपनी 10 मशीनीकृत ओपनकास्ट खदानों के माध्यम से एनसीएल वर्षों से लगातार वार्षिक उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करते आ रही है, जो इसकी निरंतर परिचालन उत्कृष्टता को रेखांकित करती है। एनसीएल की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि कोयला देश के लिए सबसे किफायती उपलब्ध ऊर्जा संसाधन बना हुआ है और आने वाले वर्षों में भी यह बिजली उत्पादन के प्रमुख स्रोत के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। एनसीएल प्रबंधन ने कंपनी की इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए टीम एनसीएल व विभिन्न हितग्राहियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी कंपनी है।

बैढ़न शहर की ट्रैफिक व्यवस्था बदहाल, सिग्नल भी खराब

चार महीने से बंद है ट्रैफिक सिग्नल, पुलिस के आलाधिकारी बेसुध, शहर में अक्सर लगता है जाम

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 30 मार्च। जिला मुख्यालय बैढ़न समेत समूचे शहर के ट्रैफिक व्यवस्था अस्त-व्यस्त एवं पस्त है। आलम यह है कि करीब चार महीने के अधिक समय से पुराना यातायात, माजन मोड़, विंध्यनगर, नवजीवन बिहार तिराहा, अम्बेडकर चौक का ट्रैफिक सिंग्नल पिछले चार महीने के अधिक समय से बंद पड़े हुये हैं। इनकी खोजखबर लेने वाला पुलिस अमला में कोई भी नही दिख रहा है।

आरोप लग रहे हैं कि पुलिस आलाधिकारी जानकर भी अनजान हैं। इसके पीछे कारण क्या है, इसे तो पुलिस अधिकारी ही बता पाएंगे। लेकिन आमजनों के द्वारा दावा किया जा रहा है कि ट्रैफिक सिंग्नल व्यवस्थाएं अस्त-व्यस्त हैं। दरअसल यहां बताते चले कि जिला मुख्यालय बैढ़न शहर के यातायात व्यवस्थाएं बेपटरी पर है। वाहनों के बढ़ते दबाव के आगे यातायात व्यवस्था सुदृढ़ नही हो पा रही है और इस यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस अधिकारियों के पास कोई विजन भी अभी तक दिखाई नही दिया है। इसका मुख्य कारण यही बताया जा रहा है कि पुलिस आलाधिकारी यातायात व्यवस्था के प्रति गंभीर नही है। जिसके चलते बैढ़न शहर यातायात समस्या से जूझ रहा है।

शहर के सभी ट्रैफिक सिग्नल बंद

आलम यह है कि शहर के मुख्य चौराहा माजन मोड़, पुराना यातायात चौराहा बैढ़न, नवजीवन बिहार-विंध्यनगर एवं अम्बेडकर चौक बैढ़न का ट्रैफिक सिंग्नल कई महीनों से बंद पड़ा हुआ है। करीब-करीब सभी ट्रैफिक सिंग्नल खराब है। ट्रैफिक सिंग्नल को ठीक कराने के लिए अभी तक न तो कोई जहमत, उठाई गई होगी तो इसे पुलिस अधिकारी भलीभांति बता पाएंगे। लेकिन वर्तमान यही कहा जा रहा है कि बैढ़न शहर की यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो चुकी है। लोगबाग ट्रैफिक से जूझते नजर आते हैं। फिलहाल शहर की यातायात व्यवस्था कब सुधरेगी, इसका जवाब पुलिस आलाधिकारी ही दे पाएंगे। वहीं खराब ट्रैफिक सिंग्नल के मरम्मत की मांग भी जोर पकड़ने लगी है।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले आधा दर्जन वाहन चालकों पर हुई कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 30 मार्च। थाना यातायात पुलिस टीम द्वारा 29 एवं 30 मार्च की मध्यरात्रि को औचक चेकिंग लगाया जाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग की गई।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात नियमों के प्रति आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत 29 एवं आज 30 मार्च को मध्य रात्रि में अलग-अलग टीम लगाया जाकर शहर के निगाही मोड़, अमलोरी तिराहा एवं पुराना ट्रैफिक तिराहा पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान लगभग 47 वाहनों को चेक किया गया और 5 ट्रक, 1 ट्रेवलर कुल 6 वाहन के चालक शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर वाहनों को जप्त कर निराकरण के लिए न्यायालय पेश किया जाएगा। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी यातायात, सउनि सवालिया रावत, सुरेश शुक्ला, आर प्रवेश, जितेंद्र धीरज अन्य यातायात पुलिस स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

पुलिस ने बाजार में किया पैदल मार्च

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 30 मार्च। क्षेत्र में व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए पुलिस ने एक बार फिर सड़कों पर उतरकर पैदल मार्च किया। निरीक्षक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के नेतृत्व में आज दिन सोमवार को पुनः निकाले गए इस मार्च के जरिए बाजारों में अनुशासन और कानून का संदेश दिया गया। पुलिस टीम मोरवा बाजार, बसस्टैंड, पुराने बाजार और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों से गुजरी। इस दौरान सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया।

सरिया चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, सरिया बरामद

गहन पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी कबूली, विन्ध्यनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 30 मार्च। विंध्यनगर थाना के श्रीराम कॉलोनी ढोटी से तीन दिन के बीच दो स्थानों से सरिया चोरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने अंततः दबोच कर उनके कब्जे से सरिया बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अर्चना द्विवेदी की सतत निगरानी में यह कार्रवाई की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 29 मार्च को फरियादी रितिक गुप्ता एवं केवलराम चौधरी दोनों निवासी श्रीराम कॉलोनी ढोंटी द्वारा थाना विन्ध्यनगर में रिपोर्ट लेख कराया कि रितिक गुप्ता घर के बाहर बने पोर्च के नीचे लोहे की 11 बंडल सरिया रखी थी, जिसे 24 एवं 26 मार्च की रात्रि में केवलराम चौधरी के घर के बाहर रखी 4 बंडल लोहे की सरिया अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गये हैं। सूचना पर धारा 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर अज्ञात आरोपी एवं चोरी गए सरिया की पता तलाश के लिए एक टीम गठित की गई, पुलिस टीम द्वारा घटना दिनांक से थाना क्षेत्र में लगे प्रमुख सीसीटीव्ही कैमरों, संदिग्धों से पूंछतांछ करने एवं आसपास मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने पर मुखबिरों द्वारा सूचना मिली कि ग्राम ढोंटी के 2 युवक लोहे सरिया बेचने के फिराक में थे। पुलिस उन्हें तलाशने में जुट गई। अंततः आरोपियों के कब्जे से सरिया बरामद की गई।

32 हजार कीमत के चोरी की सरिया बरामद

जिसकी सूचना पर संदेही अरविन्द कुमार शाह उर्फ सोनू पिता सुब्बालाल शाह उम्र 25 वर्ष निवासी ढोंटी को अभिरक्षा में लेकर पूंछतांछ किया गया, जो अपने साथी शिवम पाण्डेय पिता स्व. प्रकाश नारायण पाण्डेय उम्र 24 वर्ष निवासी ढोंटी एवं 2 अन्य आरोपी के साथ दिनांक वक्त घटना को चोरी करना स्वीकार किए, जिसे अपने-अपने पास रखे था चोरी गया उक्त मशरूका कीमती करीब 32 हजार रूपए का बरामद कर जप्त किया गया है। मामले में फरार दो अन्य आरोपी की पता तलाश की जा रही है। पुलिस द्वारा किए गए उक्त बरामदगी पर आम जन मानस द्वारा सराहना की गई। उक्त कार्रवाई में सउनि रमेश प्रजापति, पंकज सिंह, विजय खरे, आर भोले लोधी, अशोक कुशवाह, राहुल खजुरिया, प्रताप कुमार पटेल का सराहनीय योगदान रहा।

एनटीपीसी रिहंद में आनंद मेला का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

रिहंदनगर 30 मार्च। एनटीपीसी रिहंद में आनंद मेला-एकता के रंग, उत्सव के संग का आयोजन सोनशक्ति स्टेडियम में किया गया। दो दिवसीय मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि संजय असाटी परियोजना प्रमुख नें परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मेले के प्रथम दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें डीएवी, केंद्रीय विद्यालय, सेंट जोसफ, बाल भवन, वेलफेयर के छात्र-छात्राओं एवं एनटीपीसी कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया और सभी नें उनकी जमकर सराहना की। साथ ही सीएसआर के अंतर्गत आईटीआई नक्टू की छात्राओं को साइकिल भी वितरित किया गया। मेले के दूसरे दिन कठपुतली नृत्य, तंबोला और लकी ड्रॉ जैसे मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन, आकर्षक स्टॉल एवं सेल्फी पॉइंट भी लगाए गए, जो आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण के केंद्र रहे।

खंड स्तरीय उपार्जन समिति की बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 30 मार्च। उपखंड अधिकारी सिंगरौली सुरेश जाधव की अध्यक्षता में तहसील सभागार में उपखंड स्तरीय उपार्जन समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में गेहूं उपार्जन के संबंध में उपार्जन केंद्र पर आवश्यक तैयारी की समीक्षा की गई तथा उपार्जन नीति अनुसार गेहूं, चना, मसूर का उपार्जन करने संबंधी दिशा निर्देश जारी किए गए। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पूर्व सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विस्थापित कल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण विंध्याचल की प्राथमिकता : संजीब

ऊर्जा उत्पादन में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा एनटीपीसी विंध्याचल, मीडियाकर्मियों से रुबुरु हुये विंध्याचल परियोजना प्रमुख संजीब कुमार साहा

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 30 मार्च। एनटीपीसी की विंध्याचल परियोजना एशिया की सबसे बड़ी एवं विश्व की आठवीं सर्वाधिक विद्युत उत्पादन वाली परियोजना है, जिसकी वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 4783 मेगावाट है, जो कोयला, सोलर एवं हाइड्रो से उत्पादित होती है। विंध्याचल परियोजना विस्थापित कल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित है।

यह बातें विंध्याचल परियोजना प्रमुख संजीब कुमार साहा ने कहीं। परियोजना प्रमुख आज दिन सोमवार को उमंग भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे। श्री साहा ने कहा कि विंध्याचल परियोजना विद्युत उत्पादन के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होनें बताया कि विंध्याचल की उपलब्धियों के वजह से ही विंध्याचल को हर क्षेत्र में पुरस्कार हासिल हुये है। आगे कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तभ है और मीडिया को परियोजना के विकास को लेकर अपना सहयोग देना चाहिए। मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दते हुये बताया कि एनसीएल परियोजनाओं से उन्हें संतोषजनक कोयला प्राप्त हो रहा है। वहीं कोयला परियोजनाओं से एमजीआर के माध्यम से कोयला आपूर्ति में डीजल की कमी के किसी प्रभाव को परियोजना प्रमुख ने नकारा वहीं सीएचपी के विद्युतीकरण किए जाने के सवाल पर परियोजना प्रमुख ने सहमति जताते हुये कहा कि इस सुझाव से वें वरिष्ठ प्रबंधन को अवगत कराएंगे। इस अवसर पर महाप्रबंधक एम सुरेश, एस के सिन्हा, देबब्रत त्रिपाठी डॉ. बीके, भराली मानव संसाधन प्रमुख रुमा दे शर्मा सहित अपर महाप्रबंधकगण मौजूद रहें।

माडलों की लगाई गई प्रदर्शनी

उमंग भवन में सीआईएसएफ विंध्याचल द्वारा विभिन्न सुरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई, वहीं विंध्याचल की स्वयं सेवी संस्था सुहासिनी संघ द्वारा निर्मित विंध्या मसाले के विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। जिसका उदेश्य ग्रामीण महिलाओं के हुनर एवं उनके कार्यों को मीडिया के माध्यम से आमजनमानस तक पहुचाना था। साथ ही विंध्याचल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर प्राप्त पुरस्कारों को भी प्रदर्शित किया गया।